



कांग्रेस पार्टी जिन्दाबाद !

इंडिया गठबंधन जिन्दाबाद !



मा० श्रीमती दीपिका पांडेय सिंह जी एवं मा० इरफान अंसारी जी
को झारखण्ड सरकार कैबिनेट मंत्री बनने पर
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

साथ ही
कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को
आभार एवं धन्यवाद ।



दिवेद्वक-

अशोक सिंह

पूर्व जिप सदस्य एवं वरीय कांग्रेस नेता



तय स्ट को छोड़ कर भूली के मुहल्लों की सड़कों पर दौड़ रहे हाइवा

**लापरवाही
ले रही
जान**

धनबाद, वर्षीय संचादादाता। अधिक नगर भूली के मुहल्लों की सड़कों पर हाइवा दौड़ रहे हैं। कोयला लादे थलू उड़ाते थे हाइवा भूली नगर के लोगों के लिए परेशानी का सबव बने हैं।

पिछले वर्ष ही हाइवा की चपेट में आने से दो युवकों की मौत हो गई थी। अजेंड नगर पर यास ही हाइवा ने कुछ दिन पूर्व एक युवक को कुचला



भूली होकर चलते हाइवा।

- शार्टकट के लिए भूली का रास्ता चुनते ही हाइवा चालक
- झारखंड मोड़ से युस्कर टेंपो स्टैड होते हुए इंस्ट बस्युरिया का रास्ता पकड़ते हैं
- जालाम फैक्ट्री होते हुए इसी रास्ते केंदुआ-करकेद निकलते हैं

भूली में नो इंट्री में इंट्री

भूली में प्रवेश के समय नो इंट्री का बोर्ड लगा है। बावजूद चालकों का धड़ल्ले से नो इंट्री होने की बाबजूद यहां की सड़कों पर बड़े वाहनों का आवागमन जारी रहता है, जिससे हर वक्त दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

-अशोक यादव, पूर्व पार्श्व

दिया था। बावजूद इस ओर न तो ट्रैफिक पुलिस का ध्यान है और न ही स्थानीय पुलिस का। तेज रफतार हाइवा के कारण आमतौर पर

यातायात में तो परेशानी होती ही है, हाइवों का भी खतरा बना रहता है। शॉटकट के लिए भूली का रास्ता चुनते हैं हाइवा चालक: शहर के

अंदर हाइवा समेत सभी बड़े वाहनों की नो इंट्री है। कोलियरी क्षेत्र से जीटी रोड पकड़ने के लिए महाद के रास्ते आठ लेन सड़क का रुट दिया है।

वापसी के लिए यही रुट है, पर यह रास्ता लंबा है। पुलिस की मिली भगत से चालक इंस्ट बस्युरिया से भूली के अंदर प्रवेश करते हैं व जारखंड मोड़

जब बड़े वाहनों से कोई दुर्घटना होती है तो लोग पुलिस प्रशासन और जन प्रतिनिधि को दोषी ठहराते हैं। इसके बाद सभी चुप हो जाते हैं। जनता जागरूक होगी, तभी रोक लगेगी।

-रविशंकर, स्थानीय निवासी

होकर आठ लेन सड़क पकड़ लेते हैं। वापसी में भी जारखंड मोड़ से युस जालान कैफै होते हुए केंदुआ-करकेद की ओर निकल जाते हैं।

धनबाद में तेजी से बढ़ रही आबादी के बावजूद योजना धरातल पर नहीं उतरी

बारिश में डूब रहा शहर, फाइलों में घूम रही है सीवरेज-इनेज योजना

पड़ताल

- 2010 में बनाई गई योजना 14 साल बाद भी है अधूरी
- 2023 में नए सिरे से दो घरणों में बनाई गई थी योजना



जयप्रकाश नगर के बड़े नाले की स्थिति, जिससे जलजमाव होता है।

■ 66 सीवरेज-इनेज योजना फेज जन के लिए टेंडर हो गया है। जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा। इस योजना के शुरू होने पर शहर में इनेज की समस्या का हल होगा।

-रविराज शर्मा, नगर आयुक्त, धनबाद

पाई। बारिश में शहर के जयप्रकाश नगर, आजाद नगर, मर्नांड, धनबाद, वनथाली कॉलोनी, ब्रेवाल कॉलोनी में पानी भर जाता है, लेकिन अस्पताल के पानी भरने के बावजूद सड़कों पर भी कोपेस यही शर्मा को होती है। नामान मिशन आंकड़े करने के बावजूद इनेज को आयोग नाम अग्रसर को होगा।

800 करोड़ की सीवरेज-इनेज योजना के लिए टेंडर हो गया है। इसके बाद नगर प्रबंधन के अधिकारियों को बड़ी रात होती है।

जयप्रकाश नगर के लिए टेंडर हो गया है। इसके बाद नगर के लिए टेंडर हो गया है। इसके बाद नगर प्रबंधन के अधिकारियों को बड़ी रात होती है।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा। इसके बाद नगर प्रबंधन के अधिकारियों को बड़ी रात होती है।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

जल्द ही जल्दर है, उस पर जनसुनवाई का आयोग नाम अग्रसर को होगा।

ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल समेत चार आरोपियों की रिमांड बढ़ी



पटना, हिन्दुस्तान प्रतिनिधि। नीट पेपर लीन के मामले में हजारीबाग के ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल समेत चार आरोपियों की सीबीआई रिमांड की अवधि चार दिन और बढ़ गई है।

सीबीआई ने खबान देने विशेष अपने अपने अलावा हजारीबाग से ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल समेत चार आरोपियों की सीबीआई रिमांड की अवधि चार दिन और बढ़ गई है।

मॉस्को में मोदी

तीसरी बार सत्ता संभालने के बाद अपने पहले द्विपक्षीय विदेश दौरे के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस को चुना। पिछले दो कार्यकालों में उहाँने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए पड़ोसी देशों को चुना था। जानिर है, साल 2014 और 2019 के मुकाबले आज की विदेश क्षुनौतीयां का पासी अलग है। रूस-यूक्रेन युद्ध ने जहां तमाम देशों की अर्थव्यवस्था और अपूर्ति शृंखला को प्रभावित किया है, तो वहां हमास-इजरायल जंग ने एक अलग किसम की मानवीय चुनौती पेश की है। ऐसे में, इस यात्रा के जरिये प्रधानमंत्री ने क्रेमलिन को यह संदेश देने की कोशिश की है कि भारत अपने भरोसेमंद मित्र देश का महत्व समझता है। रूस भी इस कदम की अहमियत से वाकिफ है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के कार्यालय के प्रवक्ता के बयान इसकी तरहीकरण करते हैं। क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने प्रधानमंत्री मोदी के नई दिल्ली से उड़ान भरने से पहले ही कहा कि 'हम एक अति महत्वपूर्ण दौर की आशा करते हैं, जो दोनों देशों के आपसी रिश्तों के लिहाज से कापी अहम होगा।'

भारत और रूस के शोर्जे नेतृत्व की आखिरी सालाना शिखर बैठक दिसंबर 2021 में हुई थी, तब राष्ट्रपति पुतिन नई दिल्ली आए थे।

उसके बाद से शोर्जे स्तर पर दोनों नेताओं की बैठक नहीं हो सकी थी।

हालांकि, दोनों देशों के संबंधों की ऊपर बढ़ी रही। इसकी एक

बानी उस वक्त देखने को मिली, जब यूक्रेन पर आक्रमण करने के

कारण रूस के खिलाफ तमाम

परिवर्धनों के बावजूद भारत ने

हुए उससे तेल खरीदा जानी रखा,

बल्कि उसने पहले से कहीं अधिक

तेल आयात किया। इस तरह उसने

अपने अरक्के डॉलर बचाए हैं।

बरहल, प्रधानमंत्री के मौजूदा दौरे

ने पश्चिम को प्रकारांतर से यह

संदेश दिया है कि भारत की विदेश

नीति स्वतंत्र है और अपने गार्डी

हितों से संचालित है। गौर करने

वाली बात यह है कि प्रधानमंत्री का

मांस्कों द्वारा उस समय हुआ है, जब रूस विरोधी नाटो समूह की

अमेरिका में बैठक हो रही है।

किसी एक देश की कीमत पर दूसरे से संबंधों में प्रगाढ़ता का भारत

की हिमायती नहीं रहा। दैर से ही सही, परिचम को यह बात अब

समझ में आने लगी है। शायद यही कारण है कि अमेरिका के साथ

भारत के रिश्ते विगत दो दशकों में काफी सुधरे हैं और वाशिंगटन में

भारत की जरूरतों की समझ भी बढ़ी है। जहां तक रूस का प्रश्न है, तो

उसके साथ ऊर्जा, रसायन, व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, शिक्षा-संस्कृति,

पर्यटन आदि अनेक क्षेत्रों में भारत के गढ़े संबंध हैं और बदली

वैश्विक स्थितियों पर उन पर नए सिरे से विर्माज जरूरी हैं। निस्संदेह,

भारत प्रत्येक देश की संप्रभुता की युचियां के बड़े पैरोकारों में से एक

रहा है और इसलिए यूक्रेन की दूसरी हफली पर दोनों पक्षों के बीच भावती युद्ध करने की आवश्यकता पर जोर दे चुके हैं। मुप्रकान है, राष्ट्रपति पुतिन

से अनोन्यारिक बातचीत में इस मौजूद पर उनकी बात हुई है। रूस,

चीन और इन की बढ़ती नजदीकियों पर भी भारत की गहरी निगाह है।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे ने योगी रसायन की तरह से अवसर दिया है कि वह

कहा है कि वह कम्पनीज नहीं करता है। रूस,

चीन और इन की बढ़ती नजदीकियों पर भी भारत की गहरी निगाह है।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे ने योगी रसायन की तरह से अवसर दिया है कि वह

कहा है कि वह कम्पनीज नहीं करता है। रूस,

चीन और इन की बढ़ती नजदीकियों पर भी भारत की गहरी निगाह है।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे ने योगी रसायन की तरह से अवसर दिया है कि वह

कहा है कि वह कम्पनीज नहीं करता है। रूस,

चीन और इन की बढ़ती नजदीकियों पर भी भारत की गहरी निगाह है।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे ने योगी रसायन की तरह से अवसर दिया है कि वह

कहा है कि वह कम्पनीज नहीं करता है। रूस,

चीन और इन की बढ़ती नजदीकियों पर भी भारत की गहरी निगाह है।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे ने योगी रसायन की तरह से अवसर दिया है कि वह

कहा है कि वह कम्पनीज नहीं करता है। रूस,

चीन और इन की बढ़ती नजदीकियों पर भी भारत की गहरी निगाह है।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे ने योगी रसायन की तरह से अवसर दिया है कि वह

कहा है कि वह कम्पनीज नहीं करता है। रूस,

चीन और इन की बढ़ती नजदीकियों पर भी भारत की गहरी निगाह है।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे ने योगी रसायन की तरह से अवसर दिया है कि वह

कहा है कि वह कम्पनीज नहीं करता है। रूस,

चीन और इन की बढ़ती नजदीकियों पर भी भारत की गहरी निगाह है।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे ने योगी रसायन की तरह से अवसर दिया है कि वह

कहा है कि वह कम्पनीज नहीं करता है। रूस,

चीन और इन की बढ़ती नजदीकियों पर भी भारत की गहरी निगाह है।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे ने योगी रसायन की तरह से अवसर दिया है कि वह

कहा है कि वह कम्पनीज नहीं करता है। रूस,

चीन और इन की बढ़ती नजदीकियों पर भी भारत की गहरी निगाह है।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे ने योगी रसायन की तरह से अवसर दिया है कि वह

कहा है कि वह कम्पनीज नहीं करता है। रूस,

चीन और इन की बढ़ती नजदीकियों पर भी भारत की गहरी निगाह है।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे ने योगी रसायन की तरह से अवसर दिया है कि वह

कहा है कि वह कम्पनीज नहीं करता है। रूस,

चीन और इन की बढ़ती नजदीकियों पर भी भारत की गहरी निगाह है।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे ने योगी रसायन की तरह से अवसर दिया है कि वह

कहा है कि वह कम्पनीज नहीं करता है। रूस,

चीन और इन की बढ़ती नजदीकियों पर भी भारत की गहरी निगाह है।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे ने योगी रसायन की तरह से अवसर दिया है कि वह

कहा है कि वह कम्पनीज नहीं करता है। रूस,

चीन और इन की बढ़ती नजदीकियों पर भी भारत की गहरी निगाह है।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे ने योगी रसायन की तरह से अवसर दिया है कि वह

कहा है कि वह कम्पनीज नहीं करता है। रूस,

चीन और इन की बढ़ती नजदीकियों पर भी भारत की गहरी निगाह है।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे ने योगी रसायन की तरह से अवसर दिया है कि वह

कहा है कि वह कम्पनीज नहीं करता है। रूस,

चीन और इन की बढ़ती नजदीकियों पर भी भारत की गहरी निगाह है।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे ने योगी रसायन की तरह से अवसर दिया है कि वह

कहा है कि वह कम्पनीज नहीं करता है। रूस,

चीन और इन की बढ़ती नजदीकियों पर भी भारत की गहरी निगाह है।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे ने योगी रसायन की तरह से अवसर दिया है कि वह

कहा है कि वह कम्पनीज नहीं करता है। रूस,

चीन और इन की बढ़ती नजदीकियों पर भी भारत की गहरी निगाह है।

चेतना का जाग्रत होना ही पूर्ण विकास है

अज्ञात नींद से जागना मनुष्य का जन्म है और चिर निद्रा में चले जाना मृत्यु। जन्म-मृत्यु के बीच भी इनसान सोने-जागने के उपक्रम में लगा रहता है। उसकी पूरी आयु इसी में निकल जाती है और वह अपना पूर्ण विकास नहीं कर पाता। मनुष्य का पूर्ण विकास तभी होता है, जब उसकी चेतना जाग्रत होती है।

R तबीत है। सूज उगता है और आदमी जाग जाता है। सोने के बाद जागना, यह निश्चित क्रम है। कोई भी आदमी जीवीस घटे नहीं सोता। जो जीवीस घटा सोता रहता है, वह मूर्छित माना जाता है। चेतना लंबे समय तक सोती रहती है। वह मूर्छा में रहती है। ध्यान का प्रयोग नहीं है—मन जागे, चेतना जागे। जागना विकास है, सोना हास है।

खलील जिब्रान ने अपने आपसे पूछा—सभ्यता का जन्म कब हुआ? उत्तर मिला, जिस दिन आदमी ने बोज जोया उसी दिन सभ्यता का जन्म हुआ। थम या कर्तव्य का जन्म कब हुआ? जिस दिन बोज पर मेह बरसा कर्तव्य का जन्म हुआ। कला का जन्म कब हुआ? जिस दिन जीज़ फला, सौंदर्य देखा, उसी दिन कला का जन्म हुआ। जीवन का जन्म कब हुआ? जिस दिन मनुष्य ने अपने बोजे हुए जीज़ों को अधिक मात्रा में खाया, अजीर्ण हो गया और उसे मिटाने के लिए दिमागी कसरत की, तब दर्शन का जन्म हुआ।

बेचारा शरीर भारवाहा है। बहुत भार ढोता है। वह तीन प्रकार के भार ढोता है। एक है—चित्त या भावधारा का भार। दूसरा है—इच्छा का भार और तीसरा है—मन

अध्यात्म



आचार्य महाप्रज्ञ

काभार। अकेला शरीर इन तीनों का भार ढोता है। शरीर नहीं चाहता कि अधिक मात्रा में खाया जाए। इच्छा नहीं चाहती कि कम खाया जाए। वह इच्छा और शरीर का संघर्ष सोये मन का लक्षण है। मन का भाव सोया हुआ है? इसका लक्षण क्या है? जब इच्छा और शरीर का संघर्ष चलता है, तब प्रतीत होता है कि चेतना सोई हुई है, मन सोया हुआ है। भार ढोते-ढोते बेचारा शरीर क्वांत हो जाता है। असमय में बूढ़ा हो जाता है। उसको शक्तियाँ क्षण हो जाती हैं। उसका विविधता रहे? कैसे अतीव्यंत चेतना पुरानी घटना है? कैसे परमार्थ की भावना बढ़े?

पुरानी घटना है। उपर्युक्तमास टंडन पंजाब नेशनल बैंक के प्रांतीय मैनेजर थे। जब लाला लाजपतराय का देहावसान हो गया, तब 'लोकसेवा संस्थान' के लिए ऐसे व्यक्ति को जरूरत हुई, जो कम वेतन में काम कर सके। टंडनजी को जात हुआ? वे बैंक की नौकरी छोड़, इस काम में लग गए। उद्दीपन बड़ी आय को ठोकर मार दी। गांधीजी पूछा, 'आय कम हो गई। क्या जरूरते पूरी हो जाती है?' टंडनजी ने कहा, 'इच्छा कम हो गई। जरूरते भी कम कर दीं। सब तीक चल जाता है।'

इतिहास में ऐसा एक भी व्यक्ति नहीं मिलेगा, जिसकी सारी इच्छाएँ पूरी हुई हैं। ऐसा एक भी व्यक्ति नहीं मिलेगा, जिसकी जरूरते ही भी नहीं सोचती। मैं सोचती हूँ कि भावी पीढ़ी के कल्याण हो।'

सप्राट ने मन-ही-मन सोचा, वह महान आत्मा है, जो अपनी इच्छा पर नियंत्रण रखता है, समाज के द्वितीय व्यक्ति जो आत्मा का साक्षात्कार करना चाहता हूँ।

चीन का सप्राट कन्यूशियस के पास आकर बोला, 'मैं महान आत्मा का साक्षात्कार करना चाहता हूँ।'

कन्यूशियस बोले, 'सप्राट! तुम्हारी इतनी पूजा

होती है। अपार वैभव है तुम्हारे पास। तुम्हें महान और कौन होगा? तुम स्वयं को देख लो, हो जाएगा महान आत्मा से साक्षात्कार।'

सप्राट ने कहा, 'मुझे संतोष नहीं हुआ। यदि यही होता तो मैं आपके पास आता ही वहीं कृपा करें। महान आत्मा का साक्षात्कार कराएं।' कन्यूशियस, 'अच्छा, मुझे देख लो। मेरा साक्षात्कार कर लो।'

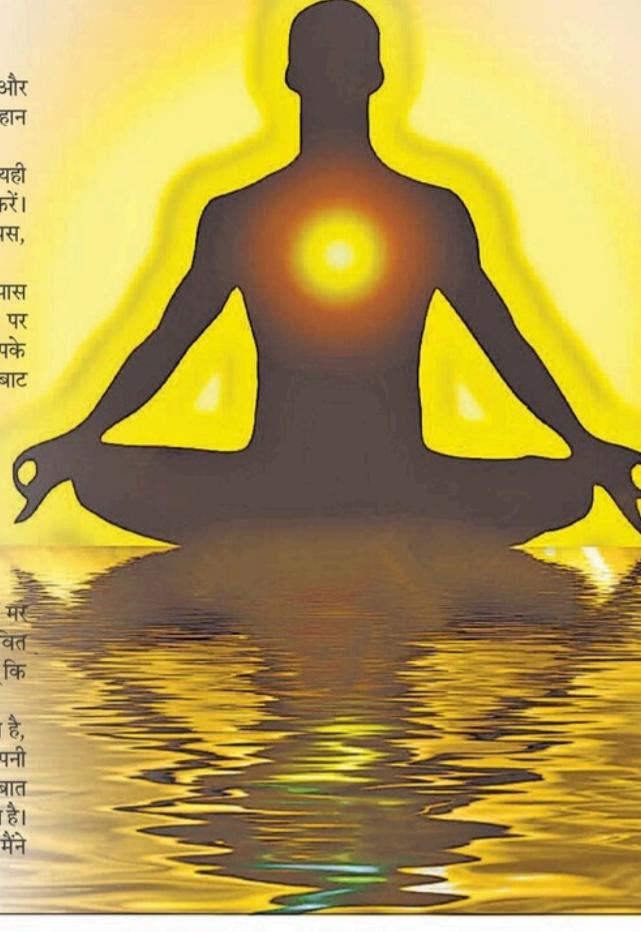
सप्राट, 'इसमें भी मुझे संतोष नहीं है। आपके पास अपार वैभव है। अपाका लैंकांकिंच वैभव छूटा है, पर आत्मिक संपदा बढ़ी है। हजारों-लाखों लोग आपके पास छूटे हैं। आपका टाट-बाट सप्राट के टाट-बाट से कम ही होती है।'

संत कन्यूशियस ने सुना। वे सप्राट को एक चुनिया के पास लेकर गए। कन्यूशियस ने पूछा, 'मैं! आज भी वृक्ष लाला का श्रम करही हो। क्यों? अब तो मूल्य निकट है, फिर क्या तुम इन वृक्षों के फल खा पाओगी, जो इतना श्रम कर होही हो?' संत रुक्खों की भावना कर दीं। सब तीक चल जाता है।'

इतिहास में ऐसा एक भी व्यक्ति नहीं मिलेगा, जिसकी सारी इच्छाएँ पूरी हुई हैं। ऐसा एक भी व्यक्ति नहीं मिलेगा, जिसकी जरूरते ही भी नहीं सोचती। मैं सोचती हूँ कि भावी पीढ़ी के कल्याण हो।'

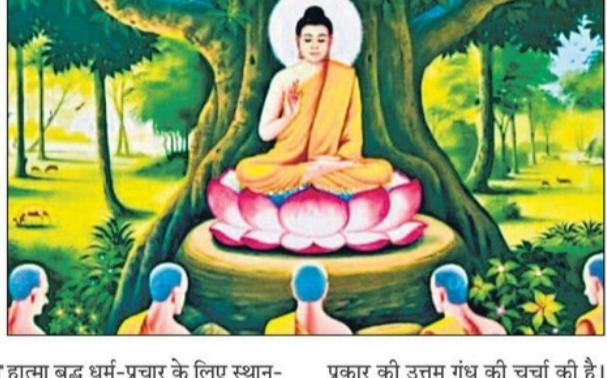
सप्राट ने मन-ही-मन सोचा, वह महान आत्मा है, जो अपनी इच्छा से संचालित नहीं होता, जो अपनी इच्छा पर नियंत्रण रखता है, समाज के द्वितीय व्यक्ति जो आत्मा का साक्षात्कार करना चाहता हूँ।

सप्राट ने संत से कहा, 'महात्मा! मुझे संतोष है। मैंने महान आत्मा का साक्षात्कार कर लिया है।'



बोधकथा

मनुष्य के सतकर्मों की सुगंध सब दिशाओं में फैलती है



महात्मा बुद्ध धर्म-प्रचार के लिए स्थान पर जाते थे। उनके बच्चों से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में लोग उनके शिष्य बन जाते थे। जो लोग उनके शिष्य नहीं बन सके, वे उनके अनुयायी बन गए। बूढ़ा अपने सभी शिष्यों को समान रूप से देखता थे। इनमें अनंद नाम का एक शिष्य था, और उनके सबसे प्रिय शिष्यों में से एक था।

एक बार अनंद ब्राह्मसी में संध्या के समय विषयना कर रहे थे। उनके साथ अनेक शिष्य और आम जन थे। उनके बच्चों के अलावा कोई और भी गंध है, जो हवा के विपरीत या सब तरफ फैले। अनंद के मन में विचार अयोग किए व्यापक अवधारणा की अलावा को समाधान पाया जाए। एसा सोचना कर वह बुद्ध के पास जाए और बोले, 'धैर! क्या इस जगत में ऐसी भी कोई सुगंध है, जो हर दिशा में अपनी सुगंध बिखरती हो।'

महात्मा बुद्ध ने आनंद से कहा, 'इन तीन गंधों से परे ही इस जगत में एक गंध है, जिसे 'शीलांग' कहते हैं। वह व्यक्ति बुद्ध, धर्म और संघ के निरलों की शरण में जाकर उनकी शिक्षा को अपने जीवन में उतारता है। उसमें वह शील की गंध होती है।'

बूढ़ा ने कहा, 'जीवन विहित है। जिस ओर वह बढ़ रही है। जबकि इन फूलों की सुगंधों को तो चारों ओर फैलना चाहिए। अधिकर इसका कारण क्या है? फूलों की सुगंध हवा का अनुसरण करते करते रहते हैं।'

लोकन यह क्या? यह विषय वेदों में बढ़ रही है, जिस ओर वह बढ़ रही है। जबकि इन फूलों की सुगंध को तो चारों ओर फैलना चाहिए। अधिकर इसका कारण क्या है? फूलों की सुगंध हवा का अनुसरण करते करते रहते हैं। अर्थात् इन सुगंधों को अपनी ओर खींच रही है। यह चिंतन करते-करते आनंद को ध्यान आया कि बुद्ध ने तीन

प्रथम विषयों के लिए विषयना कर रहे हैं। उनके बच्चों के अलावा कोई गंध नहीं है, जो हर दिशा में फैलता है।

सप्राट की विषयना अपने जीवन के लिए विषयना है। उनके बच्चों के अलावा कोई गंध नहीं है, जो हर दिशा में फैलता है।

प्रथम विषयना अपने जीवन के लिए विषयना है। उनके बच्चों के अलावा कोई गंध नहीं है, जो हर दिशा में फैलता है।

दूसरी विषयना अपने जीवन के लिए विषयना है। उनके बच्चों के अलावा कोई गंध नहीं है, जो हर दिशा में फैलता है।

तीसरी विषयना अपने जीवन के लिए विषयना है। उनके बच्चों के अलावा कोई गंध नहीं है, जो हर दिशा में फैलता है।

महात्मा बुद्ध धर्म-प्रचार के लिए स्थान पर जाते थे। उनके बच्चों से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में लोग उनके शिष्य बन जाते थे। जो लोग उनके शिष्य नहीं बन सके, वे उनके अलावा कोई गंध नहीं है, जो हर दिशा में फैलता है।

अनंद ब्राह्मसी में संध्या के लिए विषयना है। उनके बच्चों के अलावा कोई गंध नहीं है, जो हर दिशा में फैलता है।

ब्रह्मसी में विषयना है। उनके बच्चों के अलावा कोई गंध नहीं है, जो हर दिशा में फैलता है।

ब्रह्मसी में विषयना है। उनके बच्चों के अलावा कोई गंध नहीं है, जो हर दिशा में फैलता है।

ब्रह्मसी में विषयना है। उनके बच्चों के अलावा कोई गंध नहीं है, जो हर दिशा में फैलता है।

ब्रह्मसी में विषयना है। उनके बच्चों के अलावा कोई गंध नहीं है, जो हर दिशा में फैलता है।

ब्रह्मसी में विषयना है। उनके बच्चों के अलावा कोई गंध नहीं है, जो हर दिशा में फैलता है।

ब्रह

अपना खेल

बदलाव : निजी कोच बन रहे खिलाड़ियों की पहली पसंद



पेरिस
ओलंपिक
(17 दिन शेष)

चोपड़ा, दो बार ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु या विश्व चैपियनशिप पदक विजेता विनेश फोगाट का आपने निजी सहायक कर्मियों के साथ याच करना नहीं बात नहीं है। हालांकि, अब अधिक संख्या में एथलीटोंने इस परिपायी को अपनाया है। इसमें सरकार और प्रायोजकों द्वारा निजी कोच और फिजियो रखने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

द्रावण चार्च उपस्थिति और बैडमिंटन कांच विमल कुमार का माना है कि भारतीय खेलों के बढ़ने के साथ, वह बलवान समझ में आया है। विमल कहते हैं कि अगर आप दुनिया के शीर्ष खेलों को देखें, तो पाएंगे कि पेशेवर एथलीटों के पास परीक्षा बहा रहे हैं।

ये व्यक्तिगत कोच शृंगारी, कुशली, एथलेटिक्स टेबल टेनिस, बैडमिंटन और मुकेबाजी में खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देते हैं।

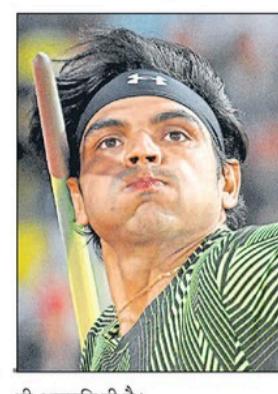
मुझई/नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक के लिए तैयारियों में जुटे भारतीय एथलीटों कोई कोर-कसर बारी नहीं रखना चाहते। यहीं वजह है कि कई शीर्ष एथलीट राष्ट्रीय प्रशिक्षकों के अलावा निजी कोच के निरीक्षण में परीक्षा बहा रहे हैं।

ये व्यक्तिगत कोच शृंगारी, कुशली, एथलेटिक्स टेबल टेनिस, बैडमिंटन और मुकेबाजी में खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देते हैं।

उनके निजी कोच होते हैं और वे अपना खुद का प्रशिक्षण कार्यक्रम बनाते हैं। भारतीय खेली भी उसी दिशा में अगे बढ़ रहा है। लेकिन, मुझे लगता है कि अब अच्छी कर्माई करने वाले कोचों के शीर्ष एथलीटों को राष्ट्रीय कोच बनाया जाए। इसमें सरकार और प्रायोजकों द्वारा निजी कोच और फिजियो रखने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

शिविरों में निजी कोच को भी अनुमति मिली: 2021 टोक्यो से पेरिस तक, नियानेबाजी में बड़ा बदलाव हुआ है। इसमें शीर्ष एथलीटोंने इस परिपायी को अपनाया है। इसमें सरकार और प्रायोजकों द्वारा निजी कोच और फिजियो रखने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

द्रावण चार्च उपस्थिति और बैडमिंटन कांच विमल कुमार का माना है कि भारतीय खेलों के बढ़ने के साथ, वह बलवान समझ में आया है। विमल कहते हैं कि अगर आप दुनिया के शीर्ष खेलों को देखें, तो पाएंगे कि पेशेवर एथलीटों के पास



भी अनुमति दी है।

राष्ट्रीय शिविर से दूर घर में ट्रेनिंग: मुकेबाजी अमित पंधाल टोक्यो में अपने पहले दौर की हार से पहले ग्लोबल शिविर से दूर घर पर ही ट्रेनिंग में जुटे हैं। पंधाल बोले, टोक्यो से

व्यक्तिगत प्रशिक्षकों की मदद से तैयारी

एथलेटिक्स

नीरज योपड़ा

(कोच: वॉलेस बाट्टोन-एन्डर्ज)

ज्योति याचार्जी

(कोच: जेम्स हिलियर)

अविनाश साबले और

पारुल योधरी

(कोच: रॉक्ट सिमसंस)

बैडमिंटन

पीवी सिंधु

(कोच: एगस इवी

सेंटोसो/ प्रकाश

पादुकोण/ विमल कुमार)

एवरेस प्रणय

(कोच: गुरुसाई

फन्नीड़ीज के

अधीन ट्रेनिंग ले

कुश्ती

विनेश फोगाट

(कोच: वोलर

अकोस/ प्रिंट्रिक

लाम्बाड़ि)

अंतिम पंधाल

(कोच: भगत सिंह

(हिसार)

मुकेबाजी

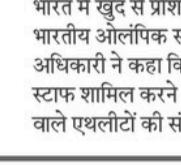
अमित पंधाल

व्यव्याहार की बीआई

फन्नीड़ीज के

अधीन ट्रेनिंग ले

रहे हैं।



भारत में खुद से प्रशिक्षण लेना चुना।

भारतीय ऑलंपिक संघ के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि इस बार निजी स्टाफ शामिल करने की मांग करने वाले एथलीटों की संख्या बहुत है।

शूटिंग

मनु भारक

(कोच: जसपाल राणा)

अंजुम मौदगिल, अर्जुन

बाहुता, सिपट कौर समरा

और स्विलाल कुसाले

(कोच: दिपाली देशपांडे)

मनु भारक

माहेश्वरी चौहान

(कोच: रिकॉर्डे

फेलिपिल)

रिदम सांगवान

(कोच: विनोद कुमार)

पदक के दावेदारों को ध्यान में

रखकर उपलब्ध स्टॉट के आधार पर

निजी कोच और अन्य सहायक

स्टाफ की इजाजत दी जाएगी।



माहेश्वरी चौहान

(कोच: रिकॉर्डे

फेलिपिल)

रिदम सांगवान

(कोच: विनोद कुमार)

पदक के दावेदारों को ध्यान में

रखकर उपलब्ध स्टॉट के आधार पर

निजी कोच और अन्य सहायक

स्टाफ की इजाजत दी जाएगी।

Hindustan Times

यूरो 2024 : सेमीफाइनल में स्पेन का सामना एमबापे की फ्रांस से, अब तक अजेय रही है स्पेन की टीम

फुटबॉल के दिग्गजों में आज टक्कर

म्यूनिख (जर्मनी), एजेंसी। यूरो-2024 की खिताबी जींग से एक कदम दूर खड़ी दी दिग्गज फुटबॉल टीम स्पेन और फ्रांस मंगलवार रात तक सेमीफाइनल में आपने सामने ले लिया। दोनों के नाम पांच यूरो खिताबों में जिनमें से तीन स्पेन के नाम हैं। दोनों ही अपने खिताबों की संख्या बढ़ाना चाहते हैं।

स्पेन यदि यूरो कप जीतता है तो उसके नाम रिकॉर्ड चार खिताब जीतने वाली तो यह दौरा बहुत अच्छा है। इस दौरान स्पेन ने दो यूरो खिताब और फ्रांस की टीम दो यूरो खिताब जीता तो यह दौरा बहुत अच्छा है। इस दौरान स्पेन ने दो बार खिताब जीता तो यह दौरा बहुत अच्छा है। इस दौरान स्पेन ने दो बार खिताब जीता तो यह दौरा बहुत अच्छा है।

वर्ष 1998 में फ्रांस के विश्व कप जीतने के बाद हुए 13 विश्व कप और यूरो-2022 में फ्रांस के विश्व कप और यूरो-2024 की खिताबी जींग से एक कदम दूर खड़ी दी दिग्गज फुटबॉल टीम स्पेन और फ्रांस मंगलवार रात तक सेमीफाइनल में आपने सामने ले लिया। दोनों के नाम पांच यूरो खिताबों में जिनमें से तीन स्पेन के नाम हैं। दोनों ही अपने खिताबों की संख्या बढ़ाना चाहते हैं।

स्पेन यदि यूरो कप जीतता है तो उसके नाम रिकॉर्ड चार खिताब जीतने वाली तो यह दौरा बहुत अच्छा है। इस दौरान स्पेन ने दो बार खिताब जीता तो यह दौरा बहुत अच्छा है। इस दौरान स्पेन ने दो बार खिताब जीता तो यह दौरा बहुत अच्छा है। इस दौरान स्पेन ने दो बार खिताब जीता तो यह दौरा बहुत अच्छा है।

स्पेन यदि यूरो कप जीतता है तो उसके नाम रिकॉर्ड चार खिताब जीतने वाली तो यह दौरा बहुत अच्छा है। इस दौरान स्पेन ने दो बार खिताब जीता तो यह दौरा बहुत अच्छा है। इस दौरान स्पेन ने दो बार खिताब जीता तो यह दौरा बहुत अच्छा है।

स्पेन यदि यूरो कप जीतता है तो उसके नाम रिकॉर्ड चार खिताब जीतने वाली तो यह दौरा बहुत अच्छा है। इस दौरान स्पेन ने दो बार खिताब जीता तो यह दौरा बहुत अच्छा है। इस दौरान स्पेन ने दो बार खित

चलते-चलते

बहरों की फौज बना रहे बड़स और साउंड बार



सेहत

सुशील सिंह

लखनऊ। एक ही कान से लगातार मोबाइल पर बात करने, ईयर फोन, ईयर बड़स और तेज आवाज से युवाओं की सुनने की क्षमता कम हो रही है। कम सुनाई देने की दो दो चार साल तक नज़रअंदेज करने वाले युवा बहरेपन के शिकार हो रहे हैं।

पीजीआई के न्यूरो-ऑटोलॉजी विभाग की ओपीडी में आने वाले युवाओं की स्क्रीनिंग में यह खुलासा दूहा है।

बीमारी की जड़ में युवा : पीजीआई न्यूरो-ऑटोलॉजी विभाग के डॉ. अमित केशरी का कहना है कि तेज आवाज में सुनने, मोबाइल पर लंबी बात व ईयर फोन का मोटामल करने वाले युवाओं में सुनने की क्षमता घट रही है। अकेले पीजीआई की ओपीडी में हर हफ्ते करीब 50 मरीज 15 से 40 वर्ष की

आसांड मुझे मारः वर्षा से चली आरही अनोखी दौड़



नई दिल्ली। स्पेन में इन दिनों प्रसिद्ध 'सैन फर्मिन फेस्टिवल' चल रहा है। इसमें सांडों की रेस का आयोजन होता है। एक सप्ताह के इस उत्सव में हर दिन सुबह 8

बजे छह सांडों को लोगों के पीछे छोड़ दिया जाता है। इसमें हजारों लोग ध्याल होते हैं लेकिन 105 सालों से उत्सव का आयोजन होता आ रहा है।

नई दिल्ली। स्पेन में इन दिनों प्रसिद्ध 'सैन फर्मिन फेस्टिवल' चल रहा है। इसमें सांडों की रेस का आयोजन होता है। एक सप्ताह के इस उत्सव में हर दिन सुबह 8

टिक्के के चिप्स या कुरकुरे कीड़ि, सिंगापुर में सब मंजूर



सिंगापुर, एजेंसी | सिंगापुर में जींगुर और टिक्के से बनी डिश जैसे कुरकुरे और चिप्स का जायका ले सकेगा।

सिंगापुर के फूड वॉच्डॉग (एसएफए) ने सांचावार के इसकी मंजूरी दे दी। इनमें जींगुर और टिक्के

वर्तनाम, चीन और थाईलैंड में

पले-बढ़ी कीड़ों के सिंगापुर स्पाल्स और कैटरिंग करने की तैयारी में जुटे हुए गये।

मंजूरी प्राप्त कीड़ों में जींगुर, टिक्के, सिल्कवर्म, मिलवर्म आदि की विभिन्न प्रजातियां शामिल हैं। जिन

तकनीक 30s

मेटा एआई फोटो एडिट करेगा

मेटा लूटसेप में एक नए अपडेट काम कर रहा है। इसके जरिये यूजर मेटा एआई में अपीली ऑप्शनों करने से बाहर पूछ सकते हैं। इसके अन्वया वह

वेबसाइट वेबीटाइपों के रिपोर्ट के मुताबिक एक नए दैरें बन्द करने के लिए थी कह सकते हैं। इसके अन्वया एक नए दैरें बन्द करने के लिए थी कह सकते हैं।

टीएम में मैन्युअल रिकूर रहे एलन मस्क

एक्स आपी सेवा के कथित उल्लंघन-तुरुपयोग की जांच करने के लिए कुछ उपयोगकर्ताओं के डायरेक्ट मैसेज (डीम) की मैन्युअल रूप से समीक्षा कर रहा है। एक एक्स उपयोगकर्ता ने समावरण की इस ऑफलाइन अपडेट को ऐपरेट करने की तैयारी में जुटे हुए गये।

एक्स आपी को एक्स एपिट करने के लिए थी कह सकते हैं। इसके

स्क्रीनशॉट भी शेयर किया गया है। स्क्रीनशॉट में दो तरीकों देखी जा सकती है।

बिना इंटरनेट गूगल मैप पर रास्ते सर्च कर सकेंगे

गूगल मैप के ऑफलाइन फीचर के जरिये बिना इंटरनेट के भी रास्ते सर्च कर सकेंगे। गूगल मैप पर ऑफलाइन मैप का विकल्प मिलता है। यह फीचर

एड्यूकेशन गूगल मैप के लिए उपलब्ध है। इसके

काम की तैयारी जैसे फोटो एडिट करने के लिए थी कह सकते हैं।

कई फीचर्स के साथ स्मार्ट रिंग लाने की तैयारी

सेमसंग स्मार्ट रिंग को 10 जुलाई को लॉन्च करने की तैयारी में है। एक रिपोर्ट

के मुताबिक रिंग में कई फीचर मिलने की उम्मीद है। इसके अन्वया

नई ट्रॉकिंग जैसे फीचर मिलने की उम्मीद है। इसके

हेल्प ट्रॉकिंग के लिए सेंसर तरीगे होंगे। हालांकि कंपनी की

ओर से इसके बारे में अभी खुलासा नहीं किया गया है। रिपोर्ट

के मुताबिक, क्रॉस में गेलेक्सी रिंग की कीमत 449 यूरो होगा।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय

ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो।

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

ई-लूपकालीन निविदा सूचना संख्या - RDD/SD/BOKARO/11/2024-25

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :-

क्र०स०	कार्य का नाम	प्रावकलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	बोकारो जिला के चार प्रखण्ड अंतर्गत एन-एव-०३ - ३२ फोलेन से आदम को-अपैक्षिक के बीच गरा नदी पर पुल निर्माण। (लम्बाई ६८.४८ मीट्री)	28923900.00	578500.00	10000.00	18 माह
2	बोकारो जिला के बीच जायारो से उच्च स्तरीय पुल निर्माण। (लम्बाई ३८.७६ मीट्री)	23895500.00	478000.00	10000.00	15 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रक्रिया की तिथि - 15.07.2024

3. ई-निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय - दिनांक 22.07.2024 को अपराहन 5:00 बजे तक

4. निविदा खोली एवं अग्रधन की स्थान - कार्यपालक अभियंता का गारीलय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो।

5. निविदा खोली की तिथि एवं समय - 24.07.2024 अपराहन 2:00 बजे

6. निविदा प्रक्रिया का नाम एवं पता - कार्यपालक उपनियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो।

7. निविदा प्रक्रिया संख्या - 06542 291060 संस्थान को-अपैक्षिक का द्वारा नम्भर

8. परिमाण विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है तबनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।

9. निविदा खोली एवं अग्रधन की राशि को-अपैक्षिक का द्वारा स्थान को-अपैक्षिक होगी।

10. निविदा खोली एवं अग्रधन की राशि को-अपैक्षिक का द्वारा स्थान को-अपैक्षिक होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाइट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता

ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,

बोकारो।

PR 328972 (Rural Development) 24-25 (D)

कार्यपालक अभियंता

ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,

बोकारो।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय

ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो।

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

ई-लूपकालीन निविदा सूचना संख्या - RDD/SD/BOKARO/13/2024-25

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :-

2. वेबसाइट में निविदा प्रक्रिया की तिथि - 15.07.2024

3. ई-निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय - दिनांक 15.07.2024 से दिनांक 27.07.2024 को अपराहन 5:00 बजे तक।

4. निविदा खोली एवं अग्रधन की स्थान - राज्य केबल Online Mode द्वारा खोली होगी।

5. निविदा खोली एवं अग्रधन की राशि का ई-मुकुतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अग्र

खाता को बदल कर दिया जाता है तो उसकी सारी जायदादी आपकी होगी।

6. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता - कार्यपालक अभियंता का गारीलय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो।

7. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी की तिथि एवं समय - दिनांक 24.07.